वैश्वीकरण

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» वैश्वीकरण की अवधारणा और उसका परिचय

प्रश्न 1 (आसान). वैश्वीकरण का क्या अर्थ है?

उत्तर – दुनिया के विभिन्न हिस्सों का आपस में जुड़ना और विचारों, पूँजी, वस्तुओं तथा लोगों का एक जगह से दूसरी जगह जाना।

प्रश्न 2 (आसान). क्या वैश्वीकरण सिर्फ़ आर्थिक गतिविधियों से जुड़ा है?

उत्तर – नहीं, यह आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक तीनों पहलुओं से जुड़ा एक बहुआयामी अवधारणा है।

प्रश्न 3 (मध्यम). अगर कोई भारतीय कंपनी किसी विदेशी कंपनी को खरीद ले, तो यह वैश्वीकरण का कौन सा प्रकार है?

उत्तर – यह वैश्वीकरण के 'पूँजी के प्रवाह' (Movement of Capital) का उदाहरण है, जहाँ पूँजी एक देश से दूसरे देश में निवेश के रूप में जाती है।

प्रश्न 4 (कठिन). सारिका अपने परिवार में पहली शिक्षित महिला है और उसे एक अच्छी नौकरी का अवसर मिला है, जो उसकी पीढ़ी के लिए नया है। यह वैश्वीकरण का कौन सा पहलू दर्शाता है?

उत्तर – यह वैश्वीकरण के 'जीवन-मूल्यों और अवसरों के प्रवाह' को दर्शाता है, जहाँ पुरानी सोच बदल रही है और समाज में नए विचारों और अवसरों को स्वीकृति मिल रही है।

» वैश्वीकरण की मुख्य विशेषताएँ: प्रवाह और जुड़ाव

प्रश्न 5 (आसान). जब एक कंपनी भारत में बनती है लेकिन अपने कपड़े बांग्लादेश में सिलवाती है, तो यह वैश्वीकरण की कौन सी विशेषता है?

उत्तर – वस्तुओं का प्रवाह और आर्थिक जुड़ाव।

प्रश्न 6 (आसान). क्या अलग-अलग देशों के छात्रों का एक-दूसरे के देश में पढ़ने जाना वैश्वीकरण का उदाहरण है? हाँ या नहीं।

उत्तर – हाँ

प्रश्न 7 (मध्यम). अगर भारत के लोग विदेशी फिल्मों और गानों को पसंद करने लगें, तो यह वैश्वीकरण के किस प्रवाह का उदाहरण है?

उत्तर – यह 'विचारों' और 'संस्कृति' के प्रवाह का उदाहरण है, जो सांस्कृतिक जुड़ाव को बढ़ाता है।

प्रश्न 8 (कठिन). एक देश का अपने यहां नई नौकरियों के अवसर पैदा करने के लिए दूसरे देश से निवेश आकर्षित करना वैश्वीकरण की किस विशेषता से जुड़ा है और क्यों?

उत्तर – यह 'पूँजी के प्रवाह' और 'विश्वव्यापी पारस्परिक जुड़ाव' से जुड़ा है, क्योंकि एक देश की पूँजी दूसरे देश में जाकर आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देती है और दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंध बनाती है।

» वैश्वीकरण के कारण: प्रौद्योगिकी की भूमिका

प्रश्न 9 (आसान). वैश्वीकरण का मुख्य कारण क्या है?

उत्तर – प्रौद्योगिकी (Technology)

प्रश्न 10 (आसान). संचार के लिए कौन सी तीन तकनीकें वैश्वीकरण के लिए महत्वपूर्ण रही हैं?
उत्तर – टेलीग्राफ, टेलीफोन, माइक्रोचिप

प्रश्न 11 (मध्यम). टेक्नोलॉजी ने विचारों, पूंजी और वस्तुओं के प्रवाह को कैसे बढ़ाया है?
उत्तर – इसने संचार और परिवहन को तेज़ करके, दूरियों को कम करके और जानकारी को तुरंत उपलब्ध कराकर इन प्रवाहों को बढ़ाया है।

प्रश्न 12 (कठिन). क्या प्रौद्योगिकी ही वैश्वीकरण का एकमात्र कारण है? अपने उत्तर का समर्थन करें।
उत्तर – नहीं, प्रौद्योगिकी एकमात्र कारण नहीं है, बल्कि यह एक 'अपरिहार्य' कारण है। इसके अलावा आर्थिक नीतियां, राजनीतिक निर्णय और लोगों की आपस में जुड़ने की इच्छा भी वैश्वीकरण के अन्य महत्वपूर्ण कारण हैं, लेकिन प्रौद्योगिकी के बिना वैश्वीकरण की आज की गति और प्रसार संभव नहीं था।

» वैश्वीकरण के राजनीतिक प्रभाव

प्रश्न 13 (आसान). वैश्वीकरण का एक राजनीतिक प्रभाव क्या है?
उत्तर – राज्य की संप्रभुता का कम होना.

प्रश्न 14 (आसान). MNCs का पूरा नाम क्या है?
उत्तर – बहुराष्ट्रीय निगम (Multi-National Corporations).

प्रश्न 15 (मध्यम). क्या वैश्वीकरण ने कल्याणकारी राज्य की अवधारणा को कमज़ोर किया है? समझाइए.
उत्तर – हाँ, वैश्वीकरण के कारण सरकारें अब सिर्फ अपने नागरिकों के कल्याण पर ही सारा पैसा खर्च नहीं कर पातीं, क्योंकि उन्हें आर्थिक प्रतिस्पर्धा में बने रहने के लिए अपने बाज़ारों को खोलना पड़ता है और कुछ सामाजिक योजनाओं पर खर्च कम करना पड़ सकता है.

प्रश्न 16 (कठिन). वैश्वीकरण ने राज्य की ताकत को कम और मज़बूत, दोनों कैसे बनाया है? चर्चा कीजिए.
उत्तर – वैश्वीकरण ने एक तरफ तो राज्य की संप्रभुता को कम किया है क्योंकि उसे वैश्विक नियमों और MNCs के हिसाब से चलना पड़ता है. लेकिन दूसरी तरफ, कुछ देशों में इससे तकनीक और जानकारी भी बढ़ी है, जिससे सरकार की क्षमता बढ़ी है. साथ ही, राज्य को अब ज़्यादा जानकारी मिलती है और वह वैश्विक स्तर पर अपनी बात रख सकता है, जिससे कुछ मामलों में उसकी ताकत बढ़ी है.

» वैश्वीकरण के आर्थिक प्रभाव

प्रश्न 17 (आसान). जब चीन के खिलौने भारत के बाज़ार में सस्ते मिलते हैं, तो यह वैश्वीकरण के किस आर्थिक प्रभाव का उदाहरण है?
उत्तर – वस्तुओं का मुक्त प्रवाह (व्यापार में आसानी)

प्रश्न 18 (आसान). अगर कोई भारतीय इंजीनियर अमेरिका जाकर नौकरी करता है, तो यह किस तरह के आर्थिक प्रभाव को दिखाता है?
उत्तर – लोगों का बेहतर आजीविका के लिए पलायन

प्रश्न 19 (मध्यम). वैश्वीकरण के आर्थिक प्रभावों में व्यापार पर प्रतिबंधों में कमी का क्या महत्व है?
उत्तर – इससे वस्तुओं का आवागमन आसान और सस्ता होता है, जिससे उपभोक्ताओं को ज़्यादा विकल्प मिलते हैं और कंपनियों को बड़े बाज़ार।

प्रश्न 20 (कठिन). वैश्वीकरण के आर्थिक प्रभावों के कारण विकसित देशों की वीज़ा नीतियाँ श्रमिकों के अंतरराष्ट्रीय आवागमन को कैसे प्रभावित करती हैं?
उत्तर – विकसित देशों की कड़ी वीज़ा नीतियाँ उच्च कौशल वाले श्रमिकों को तो आकर्षित करती हैं, लेकिन कम कौशल वाले श्रमिकों के लिए आवागमन मुश्किल बना देती हैं, जिससे देशों के बीच आय असमानता बढ़ सकती है।

» वैश्वीकरण के सांस्कृतिक प्रभाव

प्रश्न 21 (आसान). आजकल युवा वर्ग में जींस और टी-शर्ट पहनने का चलन बढ़ा है, यह वैश्वीकरण के किस प्रभाव का उदाहरण है?
उत्तर – सांस्कृतिक समरूपता (पश्चिमीकरण)

प्रश्न 22 (आसान). भारत में चाइनीज फूड का लोकप्रिय होना वैश्वीकरण का कौन सा प्रभाव दिखाता है?
उत्तर – सांस्कृतिक समरूपता (एक विदेशी संस्कृति का प्रभाव)

प्रश्न 23 (मध्यम). मैकडोनाल्डीकरण से आप क्या समझते हैं और यह वैश्वीकरण से कैसे जुड़ा है?
उत्तर – मैकडोनाल्डीकरण का मतलब है, पश्चिमी या अमेरिकी संस्कृति का वैश्विक स्तर पर फैलना, खासकर खान-पान, ब्रांड्स और जीवनशैली के माध्यम से। यह वैश्वीकरण के सांस्कृतिक समरूपता वाले पहलू को दर्शाता है।

प्रश्न 24 (कठिन). वैश्वीकरण के कारण सांस्कृतिक समरूपता और सांस्कृतिक वैभिन्नीकरण, ये दोनों ही प्रक्रियाएँ एक साथ कैसे काम करती हैं? उदाहरण देकर समझाएँ।
उत्तर – वैश्वीकरण से सांस्कृतिक समरूपता आती है क्योंकि पश्चिमी पहनावा, खान-पान (जैसे बर्गर, जींस) पूरी दुनिया में फैलते हैं। लेकिन साथ ही सांस्कृतिक वैभिन्नीकरण भी होता है, क्योंकि लोग इन बाहरी चीजों को अपनी स्थानीय संस्कृति के हिसाब से ढाल लेते हैं, जैसे 'मैकआलू टिक्की बर्गर' भारतीय स्वाद के हिसाब से बनता है, या भारतीय डिज़ाइनर्स पश्चिमी कपड़ों में भारतीय कढ़ाई का इस्तेमाल करते हैं।

» भारत और वैश्वीकरण: अनुभव और प्रभाव

प्रश्न 25 (आसान). भारत में बड़े आर्थिक सुधार किस वर्ष हुए?
उत्तर – 1991 में।

प्रश्न 26 (आसान). संरक्षणवाद का मुख्य उद्देश्य क्या था?
उत्तर – घरेलू उद्योगों को विदेशी प्रतिस्पर्धा से बचाना।

प्रश्न 27 (मध्यम). आजादी से पहले, वैश्वीकरण के संदर्भ में भारत की क्या भूमिका थी?
उत्तर – भारत कच्चे माल का निर्यातक और तैयार माल का आयातक था।

प्रश्न 28 (कठिन). 1991 के बाद भारत में वैश्वीकरण के क्या सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव हुए?
उत्तर – सकारात्मक: आर्थिक वृद्धि, नए अवसर, तकनीक का आगमन। नकारात्मक: छोटे उद्योगों को कड़ी टक्कर, आय असमानता में वृद्धि।

» वैश्वीकरण का प्रतिरोध: कारण और स्वरूप

प्रश्न 29 (आसान). वैश्वीकरण का विरोध करने वाले 'वामपंथी' आलोचकों की मुख्य चिंता क्या है?
उत्तर – आर्थिक असमानता का बढ़ना और गरीबों के हितों की अनदेखी।

प्रश्न 30 (आसान). 'वर्ल्ड सोशल फोरम' (WSF) किस प्रकार के वैश्वीकरण का विरोध करता है?
उत्तर – नव-उदारवादी वैश्वीकरण का।

प्रश्न 31 (मध्यम). वैश्वीकरण का विरोध करने वाले 'दक्षिणपंथी' आलोचक किन प्रभावों को लेकर चिंतित हैं?
उत्तर – राज्य के कमज़ोर होने, आर्थिक आत्मनिर्भरता के नुकसान और पारंपरिक संस्कृति की हानि।

प्रश्न 32 (कठिन). क्या वैश्वीकरण का विरोध करने वाले सभी लोग वैश्वीकरण के हर पहलू का विरोध करते हैं? समझाइए।
उत्तर – नहीं, ज़्यादातर वैश्वीकरण-विरोधी आंदोलन वैश्वीकरण की धारणा के विरोधी नहीं होते, बल्कि वैश्वीकरण के किसी खास कार्यक्रम या स्वरूप का विरोध करते हैं, जिसे वे अन्यायपूर्ण या शोषणकारी मानते हैं।

» भारत में वैश्वीकरण का प्रतिरोध

प्रश्न 33 (आसान). भारत में आर्थिक वैश्वीकरण का विरोध मुख्य रूप से कौन करते हैं?
उत्तर – वामपंथी आवाज़ें, औद्योगिक श्रमिक और किसानों के संगठन।

प्रश्न 34 (आसान). Valentine's Day के विरोध का संबंध वैश्वीकरण के किस पहलू से है?
उत्तर – सांस्कृतिक प्रभावों के प्रतिरोध से।

प्रश्न 35 (मध्यम). इंडियन सोशल फोरम किस प्रकार के वैश्वीकरण का विरोध करता है और क्यों?
उत्तर – यह आर्थिक वैश्वीकरण का विरोध करता है, खासकर बहुराष्ट्रीय निगमों के प्रवेश का, क्योंकि उनका मानना है कि इससे स्थानीय उद्योगों और श्रमिकों को नुकसान होता है।

प्रश्न 36 (कठिन). भारत में वैश्वीकरण के प्रतिरोध में वामपंथी और दक्षिणपंथी खेमे के बीच मुख्य अंतर क्या है?
उत्तर – वामपंथी खेमा मुख्य रूप से आर्थिक वैश्वीकरण (जैसे विदेशी कंपनियों का निवेश, आर्थिक असमानता) का विरोध करता है, जबकि दक्षिणपंथी खेमा सांस्कृतिक वैश्वीकरण (जैसे पश्चिमी पहनावा, त्योहार, विदेशी टीवी चैनल) के प्रभावों का विरोध करता है।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. मान लीजिए रामधरी अपनी बेटी के जन्मदिन के लिए साइकिल खरीदने बाज़ार गया। उसे एक ऐसी साइकिल पसंद आई जो चीन में बनी थी लेकिन भारत में बिक रही थी और दाम भी ठीक था। रामधरी ने उसे खरीद लिया। यह वैश्वीकरण का कौन सा पहलू दर्शाता है?

› पहचानो कि साइकिल कहाँ बनी है: चीन में।
› पहचानो कि साइकिल कहाँ बिक रही है: भारत में।
› पहचानो कि इस प्रक्रिया में क्या शामिल है: वस्तुओं का एक देश से दूसरे देश में आवागमन और व्यापार।
› निष्कर्ष निकालो: यह वैश्वीकरण का 'वस्तुओं के प्रवाह' का पहलू दर्शाता है।

उत्तर – यह वैश्वीकरण के 'वस्तुओं के प्रवाह' (Movement of Goods) पहलू को दर्शाता है, जहाँ एक देश में बनी चीज़ें दूसरे देश में आसानी से खरीदी और बेची जा सकती हैं।

उदाहरण 2. एक भारतीय किसान ने अपनी फसल उगाने के लिए इजराइल में बनी नई तकनीक का इस्तेमाल किया। यह वैश्वीकरण की किस विशेषता को दर्शाता है?

› पहचानो कि क्या यहाँ कोई चीज़ एक जगह से दूसरी जगह जा रही है?
› देखो, 'इजराइल में बनी तकनीक' का इस्तेमाल 'भारतीय किसान' कर रहा है।
› यह 'विचारों' और 'तकनीक' के प्रवाह को दिखाता है जो देश की सीमाओं से परे जा रहा है।
› यह विभिन्न देशों के बीच 'पारस्परिक जुड़ाव' का भी एक उदाहरण है।

उत्तर – यह वैश्वीकरण के 'विचारों के प्रवाह' और 'विश्वव्यापी पारस्परिक जुड़ाव' को दर्शाता है।

उदाहरण 3. टेलीग्राफ, टेलीफोन और माइक्रोचिप ने वैश्वीकरण को कैसे प्रभावित किया?

› टेलीग्राफ: इससे दूर बैठे लोगों तक संदेश बहुत तेजी से पहुंचने लगे, व्यापार और प्रशासन में मदद मिली। यह सूचना के प्रवाह का शुरुआती कदम था।

› टेलीफोन: इसने लोगों को सीधे बातचीत करने की सुविधा दी, जिससे व्यापारिक और व्यक्तिगत संबंध बनाना और मजबूत करना आसान हो गया। दुनिया एक 'ग्लोबल विलेज' की तरह लगने लगी।

› माइक्रोचिप: इसने कंप्यूटर और इंटरनेट को संभव बनाया। इससे जानकारी का आदान-प्रदान, वित्तीय लेन-देन, और लोगों का एक-दूसरे से जुड़ना इतना तेज़ हो गया कि देशों की सीमाएं मिटती सी गईं। यह विचारों, पूंजी और वस्तुओं के प्रवाह में क्रांति लाया।

उत्तर – इन सभी प्रौद्योगिकियों ने संचार को तेज और आसान बनाकर, सूचना के प्रवाह को बढ़ाकर और लोगों को दूरियों के बावजूद जोड़ने में मदद करके वैश्वीकरण को बढ़ावा दिया।

उदाहरण 4. वैश्वीकरण ने राज्य की संप्रभुता पर किस तरह के प्रभाव डाले हैं? एक उदाहरण सहित समझाइए.

› पहला कदम है यह समझना कि 'राज्य की संप्रभुता' का मतलब क्या है - यानी देश की सरकार का अपने फैसले खुद लेने का अधिकार.

› दूसरा कदम है सोचना कि वैश्वीकरण कैसे इस अधिकार को प्रभावित करता है. जैसे, जब बहुत बड़ी-बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ (MNCs) किसी देश में आती हैं, तो वे निवेश करती हैं, नौकरियाँ देती हैं.

› तीसरा कदम है उदाहरण देखना. मान लो, एक बड़ी विदेशी कार कंपनी भारत में अपनी फ़ैक्टरी खोलना चाहती है. तो वो सरकार से कुछ खास नियम-कानूनों में ढील देने की मांग कर सकती है, जैसे टैक्स में कमी या मज़दूरों के नियमों में बदलाव.

› चौथा कदम है निष्कर्ष निकालना. ऐसे में, सरकार को विदेशी निवेश और रोज़गार के फायदे के लिए, हो सकता है कि उसे अपनी कुछ पुरानी नीतियों या नियमों में बदलाव करना पड़े. इससे दिखता है कि सरकार की 'पूरी आज़ादी' थोड़ी कम हुई है, क्योंकि उसे बाहरी ताकतों के हिसाब से भी सोचना पड़ रहा है.

उत्तर – वैश्वीकरण ने राज्य की संप्रभुता को कम किया है, क्योंकि अब सरकारों को सिर्फ अपने देश के भीतर के हितों को ही नहीं, बल्कि वैश्विक बाज़ार और बहुराष्ट्रीय निगमों की ज़रूरतों को भी ध्यान में रखकर नीतियाँ बनानी पड़ती हैं, जिससे उनके निर्णय लेने की पूरी आज़ादी पर असर पड़ता है.

उदाहरण 5. भारतीय कंपनी 'ए' ने अमेरिका की एक छोटी सॉफ्टवेयर कंपनी 'बी' को खरीद लिया। इससे वैश्वीकरण के किस आर्थिक प्रभाव का पता चलता है?

› पहला कदम है समझना कि यहाँ क्या हो रहा है: एक भारतीय कंपनी विदेशी कंपनी को खरीद रही है।

› दूसरा, यह देखना कि यह 'खरीदना' किस चीज़ से संबंधित है: यह पूंजी के प्रवाह से संबंधित है, यानि पैसा एक देश से दूसरे देश में जा रहा है, निवेश के रूप में।

› तीसरा, पहचानना कि यह आर्थिक वैश्वीकरण का कौन सा पहलू है: यह पूंजी के मुक्त प्रवाह का एक उदाहरण है, जहाँ निवेश करने के लिए पूंजी सीमाओं के पार जा रही है।

उत्तर – यह वैश्वीकरण के आर्थिक प्रभाव के अंतर्गत 'पूंजी के प्रवाह' को दर्शाता है, जहाँ भारतीय पूंजी का निवेश अमेरिका में हुआ।

उदाहरण 6. वैश्वीकरण के कारण भारत में त्योहारों और समारोहों के तरीकों में क्या बदलाव आया है? कोई दो उदाहरण दें।

› पहला उदाहरण: दीपावली जैसे त्योहारों में पहले मिट्टी के दीयों और पारंपरिक मिठाइयों का ज़्यादा चलन था।

› अब इसके साथ-साथ, लोग प्लास्टिक की चाइनीज लाइट्स (बाहरी प्रभाव) और चॉकलेट व केक (पश्चिमी प्रभाव) का भी खूब इस्तेमाल करते हैं।

› दूसरा उदाहरण: शादियों में पहले पारंपरिक संगीत और नृत्य (जैसे लोकगीत, भांगड़ा) ज़्यादा होते थे।

› अब इसमें डीजे, बैंड और बॉलीवुड/हॉलीवुड के गाने भी जुड़ गए हैं, और कई जगह 'डेस्टिनेशन वेडिंग' (बाहरी अवधारणा) का चलन भी बढ़ गया है।

उत्तर – वैश्वीकरण ने भारत के त्योहारों और समारोहों में बाहरी तत्वों को जोड़ा है, जैसे दीवाली में चाइनीस लाइट्स और शादियों में डीजे व डेस्टिनेशन वेडिंग।

उदाहरण 7. भारत ने आजादी के बाद वैश्वीकरण के संदर्भ में 'संरक्षणवाद' की नीति क्यों अपनाई?

› पहला कदम: आजादी से पहले भारत का अनुभव क्या था? अंग्रेज़ों ने भारत को सिर्फ कच्चा माल बेचने और उनका महंगा तैयार माल खरीदने वाला देश बना दिया था, जिससे हमारे अपने उद्योग खत्म हो गए थे।

› दूसरा कदम: इस अनुभव से भारत ने क्या सीखा? कि हमें दूसरों पर निर्भर नहीं रहना चाहिए और अपने देश में ही चीज़ें बनानी चाहिए।

› तीसरा कदम: इस सोच को लागू करने के लिए क्या किया गया? विदेशी सामान के आयात पर प्रतिबंध लगाए गए और अपने घरेलू उद्योगों को बढ़ावा दिया गया, यही 'संरक्षणवाद' था।

उत्तर – आजादी के बाद भारत ने औपनिवेशिक अनुभव से सबक लेते हुए, अपने घरेलू उद्योगों को बचाने और आत्मनिर्भर बनने के लिए 'संरक्षणवाद' की नीति अपनाई।

उदाहरण 8. वैश्वीकरण के प्रतिरोध में वामपंथी और दक्षिणपंथी आलोचकों के मुख्य तर्क क्या हैं?

› सबसे पहले हमें समझना होगा कि 'वामपंथी' और 'दक्षिणपंथी' विचारधाराएँ क्या होती हैं।

› वामपंथी विचारधारा आमतौर पर समानता और गरीबों के अधिकारों की बात करती है। इसलिए, वैश्वीकरण के संदर्भ में, वामपंथी आलोचक यह तर्क देते हैं कि वैश्वीकरण सिर्फ अमीर देशों और अमीर लोगों को और अमीर बनाता है, जबकि गरीब देशों और गरीब लोगों की हालत और खराब होती जाती है।

› वो यह भी कहते हैं कि वैश्वीकरण की वजह से सरकारें कमज़ोर होती हैं और फिर वे अपने देश के गरीबों के हितों की रक्षा ठीक से नहीं कर पातीं।

› दूसरी तरफ, दक्षिणपंथी विचारधारा आमतौर पर अपने देश की परंपराओं, संस्कृति और राष्ट्रीय पहचान को महत्व देती है।

› दक्षिणपंथी आलोचक वैश्वीकरण के राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक प्रभावों को लेकर चिंतित होते हैं।

› राजनीतिक रूप से, उन्हें राज्य के कमज़ोर होने का डर होता है। आर्थिक रूप से, वे आत्मनिर्भरता और 'संरक्षणवाद' चाहते हैं ताकि स्थानीय उद्योगों को बचाया जा सके।

› सांस्कृतिक रूप से, उन्हें डर होता है कि वैश्वीकरण से हमारी पारंपरिक संस्कृति नष्ट हो जाएगी, और हम अपनी सदियों पुरानी जीवन-शैली और मूल्यों को भूल जाएंगे।

› उदाहरण के लिए, वैलेंटाइन-डे का विरोध या पश्चिमी कपड़ों के चलन का विरोध दक्षिणपंथी विचारकों की तरफ से ही आता है।

› सारांश में, वामपंथी असमानता पर जोर देते हैं और दक्षिणपंथी संस्कृति और राष्ट्र की पहचान पर।

उत्तर – वामपंथी आलोचक वैश्वीकरण को 'विश्वव्यापी पूंजीवाद' का एक रूप मानते हैं जो आर्थिक असमानता बढ़ाता है और राज्य को गरीबों की मदद करने से रोकता है। दक्षिणपंथी आलोचक वैश्वीकरण के कारण राज्य के कमज़ोर होने, आर्थिक आत्मनिर्भरता के नुकसान और पारंपरिक संस्कृति की हानि को लेकर चिंतित हैं।

उदाहरण 9. मान लीजिए एक बहुत बड़ी विदेशी कंपनी भारत में आकर किसानों से सीधे सब्ज़ियाँ खरीदने लगती है, जिससे छोटे स्थानीय बिचौलियों और मंडी के व्यापारियों को नुकसान हो रहा है। ऐसी स्थिति में भारत में वैश्वीकरण का किस प्रकार का प्रतिरोध देखने को मिल सकता है?

› सबसे पहले, छोटे बिचौलिए और मंडी के व्यापारी मिलकर विरोध प्रदर्शन करेंगे, क्योंकि उनका रोज़गार छिन रहा है।

› मज़दूर संगठन और किसान यूनियन भी इसका समर्थन कर सकते हैं, क्योंकि उन्हें डर होगा कि भविष्य में किसानों का शोषण हो सकता है।

› वामपंथी राजनीतिक दल और सामाजिक कार्यकर्ता इस मुद्दे को उठाएंगे और सरकार से मांग करेंगे कि स्थानीय व्यवसायों की सुरक्षा की जाए।

› इंडियन सोशल फोरम जैसे मंच भी इस आर्थिक वैश्वीकरण का विरोध करेंगे, क्योंकि यह बड़ी कंपनियों को बढ़ावा देता है और छोटे लोगों को हाशिए पर धकेलता है।

उत्तर – इस स्थिति में भारत में 'आर्थिक वैश्वीकरण' के ख़िलाफ़ वामपंथी आवाज़ों और किसान-मज़दूर संगठनों द्वारा संगठित प्रतिरोध देखने को मिलेगा।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। आर्थिक प्रभावों के लाभ और हानियों को उदाहरणों के साथ अच्छी तरह से तैयार कर लेना।

• 1991 के आर्थिक सुधारों का भारत पर क्या प्रभाव पड़ा, इस पर अक्सर बोर्ड परीक्षा में प्रश्न पूछे जाते हैं। इन सुधारों के कारण और परिणामों को अच्छे से समझना।

• यह टॉपिक बोर्ड परीक्षाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। 'वामपंथी और दक्षिणपंथी आलोचकों के तर्क' और 'वर्ल्ड सोशल फोरम' की भूमिका को अच्छे से तैयार कर लेना, क्योंकि इन पर सीधा प्रश्न आ सकता है।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। वैश्वीकरण के 'प्रतिरोध' वाले हिस्से से सीधे-सीधे सवाल पूछे जाते हैं कि भारत में कौन-कौन से समूह किन कारणों से इसका विरोध करते हैं।

एक नज़र में रिवीज़न

› वैश्वीकरण के आर्थिक प्रभाव = वस्तु, पूंजी, लोग, विचारों का मुक्त प्रवाह।
› भारत में वैश्वीकरण: औपनिवेशिक संरक्षणवाद 1991 के आर्थिक सुधार।
› वैश्वीकरण का विरोध: वामपंथी (असमानता), दक्षिणपंथी (संस्कृति), WSF (नव-उदारवादी).
› भारत में वैश्वीकरण का प्रतिरोध: वामपंथी (आर्थिक), दक्षिणपंथी (सांस्कृतिक)।